अस्मिन् प्रश्नपत्रे 35 प्रश्नाः एवं 8 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में 35 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

गूढसंख्या **65/S/A**
कोड नं०

स्तवकः/ सेट **A**

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं०

संस्कृतव्याकरणम्
संस्कृत व्याकरण
(246)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च ....
(परीक्षा का दिन व दिनांक)

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम् 1. ....
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

2. ....

सामान्या निर्देशाः—

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
2. निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या 65/S/A, स्तवक A नूनं लेख्या।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2. प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।

4. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।

5. उत्तर-पत्र में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।

6. अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं० 65/S/A, सेट A अवश्य लिखें।

7. सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

संस्कृतव्याकरणम्

संस्कृत व्याकरण

(246)

परीक्षासमयावधिः — होरात्रयम्] [पूर्णाङ्काः — 100

परीक्षा का समय : तीन घंटे पूर्णाङ्क : 100

निर्देशाः — (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [A] भागे 10, [B] भागे 10, [C] भागे 10, [D] भागे 5 इति आहत्य 35 प्रश्नाः सन्ति।

इस प्रश्न-पत्र में [A] भाग में 10, [B] भाग में 10, [C] भाग में 10, [D] भाग में 5—कुल मिलाकर 35 प्रश्न हैं।

(ii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

प्रश्न के दाहिने तरफ संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) का निर्देश है।

(iii) **सर्वे** प्रश्नाः अनिवार्याः।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

[A] दशानां युक्तं विकल्पं चिनुत— 1×10=10

दस के उचित विकल्प चुनिए :

1. प्रयत्नस्य कति भेदाः सन्ति?

(क) एकः (ख) द्वौ

(ग) पञ्च (घ) एकादश

प्रयत्न के कितने भेद हैं?

(क) एक (ख) दो

(ग) पाँच (घ) ग्यारह

2. अयं वर्णः वृद्धिसंज्ञकः अस्ति

(क) उ (ख) इ

(ग) अ (घ) ऐ

इन वर्णों में वृद्धिसंज्ञक वर्ण है

(क) उ (ख) इ

(ग) अ (घ) ऐ

3. हलोऽनन्तराः संयोगः इति सूत्रेण का संज्ञा भवति?

(क) पदसंज्ञा (ख) संयोगसंज्ञा

(ग) धातुसंज्ञा (घ) अपृक्तसंज्ञा

हलोऽनन्तराः संयोगः—इस सूत्र में कौन-सी संज्ञा है?

(क) पद संज्ञा (ख) संयोग संज्ञा

(ग) धातु संज्ञा (घ) अपृक्त संज्ञा

4. अकः सवर्णे दीर्घः इति कस्यापवादभूतं सूत्रम् अस्ति?

(क) वृद्धिरेचि (ख) एङः पदान्तादति

(ग) इको यणचि (घ) एत्येधत्यूठ्सु

अकः सवर्णे दीर्घः—यह किसका अपवाद सूत्र है?

(क) वृद्धिरेचि (ख) एङः पदान्तादति

(ग) इको यणचि (घ) एत्येधत्यूठ्सु

5. शात्—इति कस्य निषेधसूत्रम् अस्ति?

(क) तो षि (ख) स्तोः श्चुना श्चुः

(ग) ष्टुना ष्टुः (घ) झलां जशोऽन्ते

शात्—यह किसका निषेध सूत्र है?

(क) तो षि (ख) स्तोः श्चुना श्चुः

(ग) ष्टुना ष्टुः (घ) झलां जशोऽन्ते

6. ङ्याप्प्रातिपदिकात् इति सूत्रम् अस्ति

(क) अधिकारसूत्रम् (ख) विधिसूत्रम्

(ग) नियमसूत्रम् (घ) अतिदेशसूत्रम्

ङ्याप्प्रातिपदिकात्—यह सूत्र है

(क) अधिकार सूत्र (ख) विधि सूत्र

(ग) नियम सूत्र (घ) अतिदेश सूत्र

7. सर्वादयः शब्दाः सन्ति

(क) एकविंशतिः

(ख) विंशतिः

(ग) अष्टादश

(घ) पञ्चत्रिंशत्

'सर्वादय' शब्द हैं

(क) इक्कीस

(ख) बीस

(ग) अठारह

(घ) पैंतीस

8. यचि भम् इति सूत्रम् अस्ति

(क) विधिसूत्रम्

(ख) अधिकारसूत्रम्

(ग) संज्ञासूत्रम्

(घ) अतिदेशसूत्रम्

यचि भम्—यह सूत्र है

(क) विधि सूत्र

(ख) अधिकार सूत्र

(ग) संज्ञा सूत्र

(घ) अतिदेश सूत्र

9. अनभिहिते अपादाने का विभक्तिः भवति?

(क) प्रथमा

(ख) तृतीया

(ग) पञ्चमी

(घ) द्वितीया

अनभिहित अपादान में कौन-सी विभक्ति होती है?

(क) प्रथमा

(ख) तृतीया

(ग) पञ्चमी

(घ) द्वितीया

10. कति विभक्तयः भवन्ति?

(क) तिस्रः

(ख) पञ्च

(ग) द्वे

(घ) सप्त

विभक्ति कितनी होती हैं?

(क) तीन

(ख) पाँच

(ग) दो

(घ) सात

[B] दशानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लघूनि लिखत— 2×10=20

दस के यथानिर्दिष्ट लघु उत्तर लिखिए :

11. स्थानेन्तरतमः इति परिभाषायाः अर्थं विलिख्य एकं प्रवृत्तिस्थलं लिखत। 1+1

'स्थानेन्तरतमः' की परिभाषा का अर्थ लिखकर एक प्रवृत्तिस्थल लिखिए।

12. अवसानसंज्ञाविधायकं सूत्रं विलिख्य तस्य अर्थं लिखत। 1+1

अवसान संज्ञाविधायक सूत्र लिखकर उसका अर्थ लिखिए।

13. वा पदान्तस्य इति सूत्रस्य अर्थम् उदाहरणं च लिखन्तु। 1+1

वा पदान्तस्य—इस सूत्र का अर्थ और उदाहरण लिखिए।

14. रमाणाम् इत्यत्र नुडागमविधायकं सूत्रं विलिख्य तस्य अर्थं लिखत। 1+1

रमाणाम्—यहाँ नुडा आगम दर्शाने वाला सूत्र लिखकर उसका अर्थ लिखिए।

15. शि इत्यस्य सर्वनामस्थानसंज्ञाविधायकं सूत्रं विलिख्य तस्य अर्थं लिखत। 1+1

शि—यहाँ सर्वनाम स्थान संज्ञा को दर्शाने वाला सूत्र लिखकर उसका अर्थ लिखिए।

16. गोपः गां पयः दोग्धि इत्यत्र गोः कर्मसंज्ञाविधायकं सूत्रं विलिख्य, तस्मात् द्वितीयाविधायकं सूत्रं लिखत। 1+1

गोपः गां पयः दोग्धि—यहाँ गोः कर्म संज्ञा दर्शाने वाला सूत्र लिखकर द्वितीया विधायक सूत्र लिखिए।

17. कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे इति सूत्रस्य अर्थम् उदाहरणं च प्रदर्शयन्तु। 1+1

कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे—इस सूत्र का अर्थ और उदाहरण प्रदर्शित कीजिए।

18. येनाङ्गविकारः इति सूत्रस्य अर्थम् उदाहरणं च वर्णयन्तु। 1+1

येनाङ्गविकारः—इस सूत्र का अर्थ और उदाहरण का वर्णन कीजिए।

19. पचो वः इति सूत्रस्य अर्थम् उदाहरणं च विलिखन्तु। 1+1

पचो वः—इस सूत्र का अर्थ और उदाहरण लिखिए।

20. गेहे कः इति सूत्रस्य अर्थम् उदाहरणं च लिखत। 1+1

गेहे कः—इस सूत्र का अर्थ और उदाहरण लिखिए।

[C] दश अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त— 4×10=40

दस के लघु उत्तर दीजिए :

21. सनाद्यन्ताः धातवः इति सूत्रस्य व्याख्यां कुरुत।

सनाद्यन्ताः धातवः—इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

22. अचोऽन्त्यादि टि इति सूत्रस्य व्याख्यां कुरुत।

अचोऽन्त्यादि टि—इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

23. अनेकाल्शित्सर्वस्य इति सूत्रस्य व्याख्यां कुरुत।

अनेकाल्शित्सर्वस्य—इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

24. गङ्गोदकम् इति सूत्रं ससूत्रं साधयत।

गङ्गोदकम्—इस सूत्र को सूत्र सहित सिद्ध कीजिए।

25. आङि चापः इति सूत्रस्य व्याख्यां कुरुत।

आङि चापः—इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

26. सर्वस्मिन् इति सूत्रं ससूत्रं साधयत।

सर्वस्मिन्—इस सूत्र को सूत्र सहित सिद्ध कीजिए।

27. गुरुः शिष्यं वेदं वेदयति। इति वाक्यस्य सिद्धिं लिखन्तु।

गुरु शिष्य को वेद पढ़ाता है। इस वाक्य की सिद्धि लिखिए।

28. हरः कैलासम् अधितिष्ठति। इति वाक्यस्य सिद्धिं लिखन्तु।

हरः (शिवजी) कैलासम् अधितिष्ठति। इस वाक्य की सिद्धि लिखिए।

29. अचो यत् इति सूत्रस्य व्याख्यां कुरुत।

अचो यत्—इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

30. नन्दनः, ग्राही इत्यनयोः प्रयोगयोः कस्यचिदेकस्य प्रयोगस्य सिद्धिप्रक्रियां प्रदर्शयत।

नन्दनः, ग्राही इनमें से किसी एक के प्रयोग की प्रक्रिया सिद्ध कीजिए।

[D] पञ्च दीर्घोत्तरैः समाधेयाः — 6×5=30

पाँच के दीर्घ उत्तर दीजिए :

31. साधकतमं करणम्, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः इत्यनयोरेकं सूत्रं व्याख्यात।

साधकतमं करणम्, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः इनमें से किसी एक सूत्र की व्याख्या कीजिए।

32. बहुवचने झल्येत्, ह्रस्वनद्यापो नुट् इत्यनयोः सूत्रयोः कस्यचिदेकस्य व्याख्यां कुरुत।

बहुवचने झल्येत्, ह्रस्वनद्यापो नुट् इनमें से किसी एक सूत्र की व्याख्या कीजिए।

33. अर्थवदधातुरप्रत्ययः प्रातिपदिकम्, कृत्तद्धितसमासाश्च इत्यनयोः सूत्रयोः कस्यचिदेकस्य व्याख्यां कुरुत।

अर्थवदधातुरप्रत्ययः प्रातिपदिकम्, कृत्तद्धितसमासाश्च इनमें से किसी एक की व्याख्या कीजिए।

34. सर्वादीनि सर्वनामानि, जशः शि इत्यनयोरेकं सूत्रं व्याख्यात।

सर्वादीनि सर्वनामानि, जशः शि इनमें से किसी एक सूत्र की व्याख्या कीजिए।

35. सुप्तिङन्तं पदम् इति सूत्रस्य **अथवा** अदर्शनं लोपः इति सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्यां कुरुत।

सुप्तिङन्तं पदम्—इस सूत्र की **अथवा** अदर्शनं लोपः—इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

★ ★ ★